६. कमल का सिपाही

(प्रेमचंद्र पर केंद्रित रेडियो रूपक)

आकलन
१ लिखिए:

(अ) प्रेमचंद का व्यक्तित्व अधिक विकसित होता है, जा

(1) वह निम्न मध्यवर्ग और कृषक वर्ग का चित्रण करते हुए अपने कृषक युग की प्रतिगामी शक्तियों का विरोध करते हैं।

(2) वे एक श्रेष्ठ विचारक और समाज सुधारक के रूप में प्रकट या सहोते हैं।

(आ) प्रेमचंद लिखित निम्नलिखित रचनाओं का वर्गीकरण कीजिए –
(कफन, प्रतिज्ञा, बूढ़ी काकी, निर्मला, नमक का दरोगा, गोदान, रंगभूमि, सेवासदन)

कहानी	उपन्यास
कफन	प्रतिज्ञा
बूढ़ी काकी	गोदान
नमक का दरोगा	रंगभूमि
	सेवासदन
	निर्मला

(इ) निम्नलिखित पात्रों की विशेषताएं

(१) होरी
होरी प्रेमचंद जी द्वारा रचित विख्यात उपन्यास 'गोदान' का मुख्य पात्र है। वह जीवन के अनेक संघर्षों का सामना करने वाले एक साधारण किसान का प्रतिनिधित्व करता है, जो भूख, बीमारी, उपेक्षा और मौत से लड़ता रहा है। होरी जीवन भर मेहनत करता है, अनेक कष्ट सहता है। बहुत कम उम्र में ही वह वृद्ध दिखाई देता है। होरी महाजनों के क्रूर शोषण चक्र में फँसा हुआ है। उस पर धर्म, नैतिकता, संस्कारों और आदर्शों का गहरा दबाव है। वह परंपराओं, रूढ़ियों और धार्मिक कुरीतियों का शिकार है।

(२) अलोपीदीन
अलोपीदीन: अलोपीदीन प्रेमचंद जी द्वारा लिखित बहुचर्चित कहानी 'नमक का दरोगा' का एक पात्र है, जो अपने इलाके का प्रभावशाली जमींदार है। समाज में उसका बोलबाला है। वह धन

का उपासक है। हमेशा रिश्वत देकर अपने कालाबाजारी के काम निकलवाता है। उसका मानना है कि लक्ष्मी के आगे सब कमजोर हैं।

(३) बंशीधर
वंशीधर : वंशीधर एक साधारण निम्न मध्यमवर्गीय परिवार का युवक है। वह ब्रिटिश शासन में पुलिस महकमे का एक ईमानदार और कर्तव्यपरायण अधिकारी है और एक प्रतिष्ठित पद पर कार्यरत है। वह रिश्वत और चापलूसी से घृणा करता है। वंशीधर नमक के अवैध कारोबार के सिलसिले में अलोपीदीन को गिरफ्तार करने में जरा भी नहीं हिचकता। भले ही इसके परिणामस्वरूप उसे अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ता है।

शब्द संपदा

२. निम्नलिखित भिन्नार्थक शब्दों के अर्थ लिखिए: :

(1) अपत्य – संतान
अपथ्य – अहितकर

(2) कृपण – कंजूस
कृपाण – छोटी तलवार

(3) श्वेत – सफेद
स्वेद – पसीना

(4) पवन – वायु
पावन – पवित्र

(5) वस्तु – चीज
वास्तु – भवन

(6) व्रण – घाव
वर्ण – रंग

(7) शोक – दुख
शौक – विशेष रुचि

(8) दमन – दबाना
दामन – आचाल

अभिव्यक्ति

३. (अ) ग्तमान कृषक जीवन की व्यथा, इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

उत्तर : भारत एक कृषिप्रधान देश है। यहाँ आज भी अधिकांश लोग कृषि पर ही निर्भर करते हैं। हमारे देश का कृषक कर्ज में ही जन्म लेता है और जिंदगी भर कर्जदार ही बना रहता है। कभी खाद के लिए, कभी बीज के लिए और कभी बीमारी के इलाज के लिए कृषकों को जब-तब महाजनों से कर्ज लेना ही पड़ता है। कृषक को हर ऋतु में काम करना होता है। चाहे कितनी ही गरमी हो, वर्षा हो या सर्दी हो। गरमी की तपती दुपहरी में जब अन्य लोग छाया और हवादार स्थानों में विश्राम करते हैं, उस समय कृषक खेतों में काम कर रहा होता है। वर्षा के समय भी उसे खेतों में कभी गोड़ाई व कभी निराई करना होता है। कड़ाके की सर्दी में वह रात को खुले खेतों में फसल की चौकसी करता है। कृषक अपना खून-पसीना एक करके अन्न उपजाता है। जो दूसरों को अन्न देता है, वह स्वयं बहुत अधिक की कामना नहीं करता। बस चाहता है कि उसके परिवार को भरपेट भोजन मिल जाए। अधिकतर कृषकों का स्वास्थ्य दिनोंदिन गिरता जाता है और अंत में बीमारी और भुखमरी का शिकार होकर वे दुनिया से कूच कर जाते हैं। हालांकि भारत सरकार किसानों के लिए अनेक प्रकार की योजनाएँ चलाती रहती है परंतु यह सरकारी मदद किसानों तक पहुँचती ही नहीं है।

(आ) 'ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा सफलता के सोपान इस विषय पर अपना मत लिखिये

उत्तर : ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा सफलता के सोपान हैं। ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा व्यक्ति को सभी परेशानियों से मुक्त और निडर बनाती हैं। ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ होना आसपास के लोगों का विश्वास, खुशियों व आशीर्वाद जैसी बहुत-सी चीजें प्राप्त करने में एक व्यक्ति की मदद करता है। आज की दुनिया छल, कपट, झूठ और फरेब की दुनिया है। अनेक लोग ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा जैसे गुणों के स्थान पर छल, फरेब, धोखाधड़ी, बेईमानी को अधिक महत्त्व देते हैं। वे अपनी धूर्तता को कूटनीति का नाम देते हैं। वे नहीं जानते कि जीवन में ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का बहुत महत्त्व है। झूठ और कपट का भंडाफोड़ एक-न-एक दिन अवश्य होता है। लोगों को एक बार धोखा दिया जा सकता है। लेकिन चालाकी से उन्हें बार-बार मूर्ख बनाना कठिन है। आज वही व्यक्ति उन्नति कर सकता है, जिसके कार्य का आधार ईमानदारी हो, जिसका चरित्र बेदाग हो। कोई भी व्यक्ति यदि पूरी ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करे तो उसे उच्चतम पद पर पहुँचने से कोई नहीं रोक सकता। कई ऐसे लोग होते हैं, जो घटिया दर्जे के उपायों के द्वारा कम समय में धन तो कमा लेते हैं, परंतु समाज में उन्हें प्रतिष्ठा नहीं मिल पाती।

पाठ पर आधारित लघूत्तरी प्रश्न

4. (अ) रूपक के आधार पर प्रेमचंद जी की साहित्यिक विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर : युग प्रवर्तक प्रेमचंद जी के साहित्य में तत्कालीन समाज और इतिहास बोलता है। इनकी रचनाएँ ग्रामीण जीवन की झाँकियों से ओतप्रोत है। उसमें शिक्षा, शोषण, शोक, हर्ष, मोह, लिप्सा का अत्यंत सजीव चित्रण हुआ है। इनका दृष्टिकोण सर्वत्र मानवतावादी था। प्रेमचंद जी की शैली अत्यंत आकर्षक तथा मार्मिक है। अपने उपन्यासों में उन्होंने मजदूर और किसान से

लेकर पूँजीपतियों तक के ऐसे स्वाभाविक चित्र उपस्थित किए हैं कि समाज का वास्तविक रूप सामने आ जाता है। समाज-सुधार संबंधी समस्याओं को सामने रखकर उन्होंने इनका सही हल खोजने का प्रयत्न किया है मुंशी प्रेमचंद एक क्रांतिकारी लेखक थे। प्रेमचंद शताब्दियों से पद-दलित, अपमानित और निष्पोषित कृषकों की आवाज थे, पर्दे में कैद, पद पद पर लांछित और असहाय नारी जाति की महिमा के जबरदस्त वकील थे। गरीबों और बेकसों के मसीहा थे।

(आ) पाठ के आधार पर ग्रामीण और शहरी जीवन की समस्याओं को रेखांकित कीजिए।

ग्रामीण जीवन : भारत गाँवों का देश है। यहाँ की अधिकतम जनता आज भी गाँवों में निवास करती है और कृषि कार्य से जुड़ी है। किसानों की बड़ी दयनीय स्थिति है। वह सदैव कर्ज के बोझ से दबा रहता है। गांव में आज भी मूलभूत आवश्यकताओं की कमी है। खेती के साधन हों या घर-गृहस्थी का सामान, गाँववासियों को शहरों पर ही निर्भर रहना पड़ता है। यहाँ विकास की गति अत्यंत मंद है। गांवों में आज भी शिक्षा का साम्राज्य है। अनेक गाँवों में स्कूल नहीं हैं, स्कूल है तो शिक्षक नहीं हैं। इसी प्रकार वहाँ स्वास्थ्य सुविधाओं का भी अभाव है। या तो अस्पताल नहीं हैं, अस्पताल है तो डॉक्टर नहीं हैं। परिवहन के साधनों का नितांत अभाव है।

शहरी जीवन : पिछले कुछ दशकों से ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में रहने वाले लोग रोजगार की तलाश में बेतहाशा शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। शहरों में आवास की समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। वहाँ दड़बेनुमा मकानों की भीड़ बढ़ती जाती है। जिधर दृष्टि जाती है, रंग-बदरंग, ऊल-जलूल बेतरतीब मकान-ही-मकान दिखाई पड़ते हैं। बिजली, पानी, सीवर, सड़क और परिवहन प्रणाली की कमी है। शहर कूड़े का ढेर बनते जा रहे हैं। बड़े पैमाने पर वाहनों से होने वाला प्रदूषण, लगातार होने वाला शोर, भीड़, धुआँ असहज महसूस कराता है। देर रात तक ऑफिस, दुकानें खुली रहती हैं। बस, ट्रेन, टैक्सियाँ, स्कूटर्स सड़कों पर दौड़ते रहते हैं। भीड़भाड़, ट्रैफिक जाम और अपराध नगरों में रोज की बात है।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान

5.जानकारी दीजिए:

(अ) डॉ. सुनील केशव देवधर की लिखित रचनाएँ -

उत्तर :

(1) मत खींचो अंतर रेखाएँ (काव्य संग्रह)

(2) मोहन से महात्मा

(3) आकाश में घूमते शब्द (रूप संग्रह)

(4) संवाद अभी शेष है।

(5) संवादों के आईने में (साक्षात्कार)

(आ) रेडियो रूपक की विशेषता -

उत्तर : रेडियो एक श्रव्य माध्यम है। रेडियो रूपक विधा का विकास नाटक से हुआ है। इसका मंचन अदृश्य होता है। इसका क्षेत्र
अत्यंत विकसित है। दृश्य-अदृश्य जगत के किसी भी विषय, वस्तु या घटना पर रेडियो रूपक लिखा जा सकता है। यह ध्वनि और संगीत
का समन्वित रूप है। क्योंकि इसे केवल सुना जा सकता है। इसके प्रस्तुतीकरण का ढंग रोचक, सहज, प्रवाहमयी तथा संवादात्मक होता है।

6. कोष्ठक की सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए –

(1) मछुवा नदी के तट पर पहुंचा। (सामान्य वर्तमान काल)
उत्तर: मछुवा नदी के तट पर पहुँचता है।

(2) एक बड़े पेड़ की छाँह में उन्होंने वास किया । (अपूर्ण वर्तमानकाल)
उत्तर: एक बड़े पेड़ की छाँह में वे वास कर रहे हैं।

(3) आदमी यह देखकर डर गया। (पूर्ण वर्तमान काल)
उत्तर: आदमी यह देखकर डर गया है।

(4) वे वास्तविकता की ओर अग्रसर हो रहे हैं । (सामान्य भूतकाल)
उत्तर: वे वास्तविकता की ओर अग्रसर हुए।

(5) उन लोगों को अपनी ही मेहनत से धन कमाना पड़ता है । (अपूर्ण भूतकाल)
उत्तर: उन लोगों को अपनी ही मेहनत से धन कमाना पड़ रहा था।

(6) बबन उसे सलाम करता है । (पूर्ण भूतकाल)
उत्तर: बहन ने उसे सलाम किया था।

(7) हम स्वयं ही आपके पास आ रहे थे (सामान्य भविष्यकाल)
उत्तर: हम स्वयं ही आपके पास आएँगे।

(8) साहित्यकार अपने सामाजिक वातावरण से प्रभावित हो रहा है । (सामान्य भूतकाल)
उत्तर: साहित्यकार अपने सामाजिक वातावरण से प्रभावित हुआ।

(9) आकाश का प्यार मेघों के रूप में धरती पर बरसने लगता है। (पूर्ण वर्तमानकाल)
उत्तर: आकाश का प्यार मेघों के रूप में धरती पर बरसने लगा है।

(10) आप सबको जीत सकते हैं । (सामान्य भविष्य काल)
उत्तर: आप सबको जीत सकेंगे।